अनुक्रमणिका

आमुख v-viii

अपनी बात ix-xii

अध्याय पृष्ठ

1. **भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** 1-27

भौगोलिक पृष्ठभूमि, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, गढ़वाल में आंग्ल शासन की स्थापना, आरम्भिक जन प्रतिक्रिया और आलोचना, ब्रिटिश गढ़वाल और 1857 की क्रान्ति, गढ़वाल में पदमसिंह और शिवरामसिंह द्वारा ब्रिटिश सरकार की सहायता, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में गढ़वाल की दशा, जन-जागरण के प्रारम्भिक प्रयत्न, उत्तराखण्ड का डिबेटिंग क्लब और पत्रकारिता, गढ़वाल में शिक्षा की दशा और सुधार

2. **गढ़वाल में जन-जागरण** 28-104

गढ़वाल में सामाजिक जन-जागरण, सामाजिक चेतना के विकास में सामान्य सभाओं की भूमिका, ब्रिटिश गढ़वाल के सामाजिक जन-जागरण में आंचलिक पत्रकारिता, उत्तराखण्ड में ईसाई धर्म प्रचारकों का प्रभाव, उत्तराखण्ड में आर्य समाज की गतिविधियां और जन-जागरण

3. **स्थानीय तथा साम्राज्यवादी विसंगतियों से उत्पन्न जन-असंतोष** 105-160

उत्तराखण्ड में कूली प्रथा का स्वरूप, सांविधानिक विकास और उत्तराखण्ड की राजनीति

4. **जन-चेतना का बढ़ता राजनीतिकरण** 161-218

ब्रिटिश गढ़वाल में सविनय अवज्ञा आन्दोलन का घटनाक्रम, पेशावर का सैनिक विद्रोह और गढ़वाल, सांविधानिक विकास और उत्तराखण्ड

5. **उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय आन्दोलन का बढ़ता जनाधार** 219-290

गढ़वाल में राजनीति के बढ़ते चरण-वैयक्तिक सत्याग्रह, गढ़वाल में डोला पालकी समस्या और हरिजन आन्दोलन, गढ़वाल में रक्षा समितियाँ, संगठन और कार्यक्रम, भारत छोड़ो आन्दोलन और उत्तराखण्ड, भारत छोड़ो आन्दोलन में प्रवासी गढ़वालियों की भूमिका, द्वितीय विश्व युद्ध का परवर्ती काल और राष्ट्रीय राजनीति

6. *उपसंहार* 291-314

सामाजिक सुधार और पुनरुत्थानवादी कार्यक्रम, जन-जागरण का बढ़ता राजनीतिकरण, नेतृत्व और विचारधारा, राजनीति का विरोधी पक्ष और उसका जनाधार, सांविधिानिक विकास की प्रक्रिया का उत्तराखण्ड के राजनीतिक जागरण पर प्रभाव

परिशिष्ट-1 315-346

गढ़वाल में व्यक्तिगत सत्याग्रह के सेनानी, भारत छोड़ो आन्दोलन के सेनानी, गढ़वाल राइफल्स भर्ती-रिकर्डस, चमोली सब डिवीजन, पौड़ी तहसील, जिला बोर्ड/परिषद् के अध्यक्षों की सूची, गढ़वाल में जन-जागरण के व्यक्तित्व, प्रथम गढ़वाली, ककोडाखाल असहयोग आन्दोलन के सेनानी, सत्याग्रह का तीसरा दौर

परिशिष्ट-2 347-374

गढ़वाल के प्रमुख सशस्त्र क्रांतिकारी, विएना में नेताजी के साथ, नेहरू युग की स्मृतियाँ, अनुसूया प्रसाद बहुगुणा का जवाहर लाल नेहरू के लिए लिखा एक दुर्लभ पत्र, गढ़वाल में गाड़ी का सड़क आन्दोलन, टी-पार्टी

सन्दर्भ-सूची 375-384